कक्षा 12 राजनीति विज्ञान

ANSWER SET–1

✦ खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ख) अमेरिका–सोवियत संघ
2. (क) बांडुंग
3. (ग) 1961
4. (ग) 1991
5. (ग) गुटनिरपेक्षता
6. (ग) संघात्मक-एकात्मक मिश्रित
7. (ग) 73वें संशोधन से
8. (ख) 5 वर्ष
9. (ग) निर्वाचक मंडल द्वारा
10. (ग) चीन
11. (ख) 1945
12. (ग) 5
13. (ग) राजनीतिक दलों से
14. (ख) 1967 के बाद
15. (ग) कई दलों की संयुक्त सरकार
16. (क) संविधान
17. (ग) सभी व्यक्तियों को
18. (ख) सामाजिक-आर्थिक न्याय
19. (ग) न्यूयॉर्क
20. (ग) संयुक्त राष्ट्र

✦ खंड – ख : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

21. शीत युद्ध क्या था?

अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक एवं राजनीतिक तनाव की स्थिति को शीत युद्ध कहते हैं।

22. गुटनिरपेक्षता का अर्थ

किसी भी शक्ति गुट में शामिल न होकर स्वतंत्र विदेश नीति अपनाना।

23. NAM का एक उद्देश्य

विश्व शांति और उपनिवेशवाद का विरोध।

24. संघवाद क्या है?

शासन व्यवस्था जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन होता है।

25. लोकतंत्र की एक विशेषता

जनता द्वारा चुनी गई सरकार।

26. राजनीतिक दल क्या होते हैं?

ऐसे संगठित समूह जो सत्ता प्राप्त कर शासन चलाना चाहते हैं।

27. लोकसभा क्या है?

संसद का निम्न सदन जिसे जनता सीधे चुनती है।

28. संविधान सभा क्या थी?

वह सभा जिसने भारतीय संविधान का निर्माण किया।

29. मौलिक अधिकार क्या हैं?

संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए मूल अधिकार।

30. संयुक्त राष्ट्र का एक उद्देश्य

विश्व शांति बनाए रखना।

✦ खंड – ग : लघु उत्तरीय प्रश्न (I)

31. शीत युद्ध के दो प्रभाव

1. विश्व दो गुटों में विभाजित हो गया।

2. हथियारों की होड़ बढ़ी और परमाणु संकट उत्पन्न हुआ।

32. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की दो विशेषताएँ

1. किसी भी शक्ति गुट से दूरी।
2. शांति और सहअस्तित्व का समर्थन।

33. भारतीय संघवाद की दो विशेषताएँ

1. संविधान में शक्तियों का स्पष्ट विभाजन।
2. आपातकाल में केंद्र की शक्तियाँ अधिक।

34. क्षेत्रीय दलों के उदय के कारण

1. क्षेत्रीय असंतोष।
2. स्थानीय मुद्दों का महत्व।

35. गठबंधन सरकार के दो लाभ

1. विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व।
2. निरंकुशता की संभावना कम।

36. संयुक्त राष्ट्र महासभा के कार्य

1. अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा।
2. बजट पारित करना।

✦ खंड – घ : लघु उत्तरीय प्रश्न (II)

37. भारत की विदेश नीति में गुटनिरपेक्षता की भूमिका

भारत ने शीत युद्ध के दौरान किसी भी शक्ति गुट में शामिल न होकर स्वतंत्र नीति अपनाई। इससे भारत को दोनों गुटों से सहयोग मिला। गुटनिरपेक्षता ने भारत को विश्व मंच पर सम्मान दिलाया और विकासशील देशों का नेतृत्व करने का अवसर प्रदान किया।

38. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ

भारतीय संविधान विश्व का सबसे विस्तृत संविधान है। यह संघात्मक-एकात्मक मिश्रित प्रकृति का है। इसमें मौलिक अधिकार, नीति निदेशक तत्व और स्वतंत्र न्यायपालिका की व्यवस्था है। धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और गणराज्य इसकी मुख्य विशेषताएँ हैं।

39. राजनीतिक दलों की भूमिका का मूल्यांकन

राजनीतिक दल लोकतंत्र की रीढ़ हैं। ये जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं। नीतियाँ बनाते हैं, चुनाव लड़ते हैं और शासन चलाते हैं। परंतु दल-बदल और स्वार्थ राजनीति लोकतंत्र को कमजोर भी कर सकती है।

40. संयुक्त राष्ट्र संघ की उपलब्धियाँ

संयुक्त राष्ट्र ने विश्व शांति बनाए रखने, मानवाधिकारों की रक्षा और विकास कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शांति सेना भेजकर संघर्षों को कम किया है।

✦ खंड – ङ : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

41. शीत युद्ध के कारण एवं प्रभाव

✦ कारण

शीत युद्ध का मुख्य कारण अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक संघर्ष था। अमेरिका पूंजीवादी लोकतंत्र का समर्थक था, जबकि सोवियत संघ साम्यवादी विचारधारा को बढ़ावा देता था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दोनों महाशक्तियाँ विश्व में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहती थीं। जर्मनी का विभाजन और परमाणु हथियारों की प्रतिस्पर्धा भी प्रमुख कारण थे।

✦ प्रभाव

विश्व दो गुटों में बँट गया – नाटो और वारसा संधि। हथियारों की होड़ बढ़ी। अनेक क्षेत्रीय युद्ध हुए जैसे कोरिया और वियतनाम। अंततः 1991 में सोवियत संघ के विघटन के साथ शीत युद्ध समाप्त हुआ।

42. भारतीय संघीय व्यवस्था की प्रकृति

भारत की संघीय व्यवस्था संविधान पर आधारित है। इसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन किया गया है – संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची के माध्यम से। सामान्य परिस्थितियों में राज्य स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं, परंतु आपातकाल में केंद्र को अधिक शक्तियाँ प्राप्त हो जाती हैं।

भारत की संघीय व्यवस्था को "संघात्मक-एकात्मक मिश्रित" कहा जाता है क्योंकि इसमें संघीय विशेषताओं के साथ-साथ एकात्मक प्रवृत्तियाँ भी मौजूद हैं। एकल नागरिकता, अखिल भारतीय सेवाएँ और मजबूत केंद्र इसकी विशेषताएँ हैं।